I.C.S.E

कक्षा : X (2017)

हिन्दी

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं तथा हमारी सच्ची मित्र एवम् गुरु भी होती है। हाल ही में पढ़ी गई अपनी किसी पुस्तक के विषय में बताते हुए लिखिए कि वह आपको पसंद क्यों आई आपने उससे क्या सीखा?

2. 'पर्यावरण है तो मानव है' विषय को आधार बनाकर पर्यावरण सुरक्षा को लेकर आप क्या-क्या प्रयास कर रहे हैं? विस्तार से लिखिए।

3. कम्प्यूटर तथा मोबाइल मनोरंजन के साथ-साथ हमारी जरूरत का साधन अधिक बन गए हैं। हर क्षेत्र में इनसे मिलने वाले लाभों तथा हानियों का वर्णन करते हुए अपने विचार लिखिए।

4. अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" इस पंक्ति से आरम्भ करते हुए कोई कहानी लिखिए।

5. प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) आपके क्षेत्र में एक ही साधारण सा सरकारी अस्पताल है, जिसके कारण आम जनता को बहुत अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन

परेशानियों का उल्लेख करते हुए, एक और सुविधायुक्त सरकारी अस्पताल खुलवाने का अनुरोध करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

(ii) ओलम्पिक में अपने देश के बढ़ते कदम देख कर आपको बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। इस वर्ष के ओलम्पिक की उपलब्धियों को बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

पंजाब में उस वर्ष भयंकर अकाल पड़ा था। उन दिनों वहाँ महाराणा रणजीत सिंह का राज था। उन्होंने यह घोषणा करवा दी, “महाराज के आदेश से शाही भण्डार-गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।” यह घोषणा सुनते ही गाँवों व शहरों से जरुरतमंदो की भीड़ राजमहल में उमड़ पड़ी।

उन दिनों लाहौर में एक सद्गृहस्थ बूढ़े सज्जन रहते थे। वे कट्टर सनातनी विचारों के थे। उन्होंने जीवन में कभी भी किसी के आगे अपना हाथ नहीं फैलाया था। अँधेरा होने पर वह शाही भण्डार के दरवाजे पर पहुँचे। द्वार खुला था किसी तरह की कोई जाँच-पड़ताल नहीं हुई। उन्होंने बड़े संकोच से अपनी चादर को फैलाया, उसके कोने में थोड़ा सा अनाज बाँध लिया। ज्यादा अनाज उठाना उनके लिए मुश्किल था। इतने में पगड़ी बाँधे एक व्यक्ति वहाँ आया। उसने कहा, “भ्राताजी आपने तो काफी कम अनाज लिया है।” बूढ़े सज्जन ने कहा, “असल मे मैं बूढ़ा लाचार हूँ। इस अकाल में तो थोड़ा अनाज लेना ही सही है, जिससे सब जरुरतमंदो को मिल जाए।”

उस व्यक्ति ने बूढ़े की गठरी खोल दी। उसमें भरपूर अनाज भर दिया। बूढ़े सज्जन ने कहा, “मैं इतना अनाज नहीं उठा सकता और न ही इसकी मजदूरी का पैसा दे सकता हूँ।” इतने में उस अजनबी ने बूढ़े की गठरी अपने कन्धों पर ले ली और बूढ़े के पीछे-पीछे चल पड़ा। जब वे बूढ़े के घर द्वार पर पहुँचे तो वहाँ दो बच्चे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें देखते ही वे बोले - “बाबा, कहाँ चले गए थे?” बूढ़ा खामोश रहा। अजनबी ने कहा, “घर में कोई बड़ा लड़का नहीं है?” वह बोला, “लड़का था लेकिन काबुल की लड़ाई में शहीद हो गया। अब बहू है तथा मेरे ये पोते हैं।” वह अजनबी बोला, “भाई जी धन्य है आप, जिनका बेटा देश के लिए शहीद हो गया।”

रोशनी में बूढ़े ने उस अजनबी को पहचान लिया। वे खुद महाराज रणजीत सिंह थे। बूढ़े ने पोतों से कहा, “इनके सामने दंडवत प्रणाम करों।” और स्वयं भी प्रणाम करने लगे और थोड़ी देर बाद बोले, “आज मुझसे बड़ा पाप हो गया। आपसे बोझा उठवाया।” “नहीं यह पाप नहीं, मेरा सौभाग्य था कि मैं शहीद के परिवार की सेवा कर सका। आप सबकी सेवा करना मेरा फ़र्ज है। अब आप जीवन भर हमारे साथ रहिए और हमें कृतार्थ कीजिए।”

1. राज्य को किस विपत्ति का सामना करना पड़ा था? उन दिनों वहाँ के राजा कौन थे और उन्होंने उस समस्या का क्या समाधान निकाला? [2]
2. राजा ने राज्य में क्या घोषणा करवाई और क्यों [2]
3. बूढ़े आदमी के बारे में आप क्या जानते हैं? उनका पूर्ण परिचय दीजिए। [2]
4. बूढ़े आदमी ने थोड़ा सा अनाज ही क्यों लिया था? कारण स्पष्ट करते हुए बताइए कि उस अजनबी व्यक्ति ने उस बूढ़े की कैसे सहायता की? [2]
5. इस गद्यांश से मिलने वाली शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। [2]

Q. 4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
    - आनंद
    - पुत्र
    - राक्षस

2. निम्नलिखित शब्दों में से दो शब्दों के विलोम लिखिए : [1]
    - आलस्य
    - सदाचार
    - सामिष
    - कृत्रिम

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों को शुद्ध कीजिए : [1]
    - प्रतिस्टा
    - ग्रन्थ
    - परीस्थती

4. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1]
    अपना उल्लू सीधा करना, हाथ मलना।

5. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :
    (a) विद्यार्थी को <u>जानने की इच्छा रखने वाला होना चाहिए</u>। [1]
    (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिये।)

    (b) इतनी आयु होने पर भी वह विवाहित नहीं है। [1]
    ('नहीं' हटाइए परन्तु वाक्य का अर्थ न बदले।)

(c) रात में सर्दी बढ़ जाएगी। [1]
(अपूर्ण वर्तमान काल में बदलिए)

(d) <u>अन्याय </u>का सब विरोध करते हैं। [1]
(रेखांकित का विशेषण लिखते हुए वाक्य पुन: लिखिए)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(**साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ**)

(**Sahitya Sagar – Short Stories**)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"उसने कोई बहाना न बनाया। चाहता तो कह सकता कि यह साजिश है। मैं नौकरी नहीं करना चाहता इसीलिए हलवाई से मिलकर मुझे फँसा रहे हैं, पर एक और अपराध करने का साहस वह न जुटा पाया। उसकी आँखे खुल गई थीं।"

[बात अठन्नी की - सुदर्शन]

[Baat Athanni Ki - Sudarshan]

1. किसे कौन फँसा रहा था? उसने क्या अपराध किया था? [2]
2. रसीला कौन है? उसका परिचय दीजिये। [2]
3. हमें अपने नौकरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए? कहानी के आधार पर उदाहरण देकर समझाइए। [3]

4. इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन-सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है? क्या वे अपने प्रयास में सफल हुए? समझाकर लिखिए। [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही ‘दिल्ली चलो’ और ‘तुम मुझे खून दो.......’ वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि में यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी।”

[नेताजी का चश्मा - स्वयं प्रकाश]

[Netaji Ka Chasma – Swayam prakash]

1. मूर्ति किसकी थी और वह कहाँ लगाई गई थी। [2]
2. यह मूर्ति किसने बनाई थी और इसकी क्या विशेषताएँ थी? [2]
3. मूर्ति में क्या कमी थी? उस कमी को कौन पूरा करता था और कैसे? [3]
4. नेताजी का परिचय देते हुए बताइए कि चौराहे पर उनकी मूर्ति लगाने का क्या उद्धेश्य रहा होगा? क्या उस उद्धेश्य में सफलता प्राप्त हुई? स्पष्ट कीजिए। [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“बड़े भोले हैं आप सरकार ! अरे मालिक, रूप-रंग बदल देने से तो सुना है आदमी तक बदल जाते हैं। फिर ये तो सियार है।”

[भेड़े और भेड़िए - हरिशंकर परसाई]

[Bhede Aur bhedeya – Hari Shankar Parsai]

1. उपर्युक्त कथन कौन, किससे क्यों कह रहा है? [2]
2. बूढ़े सियार ने भेड़िये का रूप किस प्रकार बदला? [2]
3. बूढ़े सियार ने किन तीन बातों का ख्याल रखने के लिए कहा? क्यों कहा?[3]
4. सियारों को किन-किन रंगों में रंगा गया? वे किसके प्रतिक थे? इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]

(साहित्य सागर पद्‌य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:
निम्नलिखित पद्‌यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।”

[मेघ आए - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना]

[Megh Aaye – Sarveshwar Dayal Saxena]

1. मेघ कहाँ आए हुए हैं? कवि को मेघ देखकर क्या प्रतीत हो रहा है? [2]
2. ‘बयार’ शब्द से आप क्या समझते हैं? कवि इसके बारे में क्या बताना चाहता है? [2]
3. दरवाजे-खिड़कियाँ क्यों खुलने लगी हैं? किसका स्वागत कहाँ पर किस प्रकार किया जाने लगा है? कवि के भाव स्पष्ट कीजिए। [3]
4. कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पायँ।"
बलिहारी गुरु अपनो जिन गोविंद दियौ बताय।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि।।

[साखी – कबीर दास]
[Sakhi – Kabir Das]

1. कवि किसके बारे में क्या सोच रहे हैं? [2]
2. कवि किसके ऊपर न्योछावर (समर्पण) हो जाना चाहते हैं तथा क्यों? [2]
3. ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है? कवि हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं? कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए। [3]
4. साँकरी शब्द का क्या अर्थ है? प्रेम गली से कवि का क्या तात्पर्य है? उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते हैं समझाइए। [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार।
कभी भी उस वेदी पर देव
न होने दूँगी अत्याचार।।
न होने दूंगी अत्याचार
चलो, मैं हों जाऊँ बलिदान
मातृ मंदिर से हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।

[मातृ मंदिर की ओर – सुभद्रा कुमारी चौहान]
[Matri Mandir Ki Or – Subhadra Kumari Chauhan]

1. 'मातृ मंदिर' से क्या तात्पर्य है? वहाँ से कवयित्री को क्या पुकार सुनाई दे रही है? [2]
2. कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या करने को तैयार है और क्यों? [2]
3. मंदिर तक पहुँचने के मार्ग में कवियित्री को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? [3]
4. प्रस्तुत पद्यांश में कवियित्री की किस भावना को दर्शाया गया है? वह इस कविता के माध्यम से पाठकों को क्या संदेश देना चाहती हैं? [3]

नया रास्ता (सुषमा अग्रवाल)

(Naya Rasata – Sushma Agarwal)

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"माँ को लगा, शायद अमित सरिता के रिश्ते को तैयार नहीं है। इसलिए वह बोली", "बेटे, व्यवहार का तो किसी का भी पता नहीं है। न सरिता के बारे में ही कुछ कहा जा सकता है और न ही मीनू के बारे में व्यवहार का तो साथ रहने पर ही पता चलता है।"

1. माँ को कैसे पता चलता है कि अमित सरिता के रिश्ते के लिए तैयार नहीं हैं? [2]
2. अमित के पिता मायाराम जी सरिता के रिश्ते को क्यों नहीं स्वीकार करना चाहते है? [2]
3. अमित और सरिता का रिश्ता तय होने के लिए माँ किसको और क्यों उकसाती है? माँ की ऐसी धारणा से उनके स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है? समझाकर लिखिए। [3]

4. शादी के विषय में समाज की क्या परम्परा है? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया, तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ है। मीनू को देखकर उन्होंने उसे प्रेमपूर्वक बैठाया। उसे देखकर अमित के मुरझाये चेहरे पर भी खुशी की लहर दौड़ गई।"

1. मीनू अमित को देखने कहाँ गई थी? जाते समय वह मन में क्या सोच रही थी? [2]
2. कमरे में प्रवेश करते ही उसने क्या देखा? अमित की माँ ने मीनू से क्या पूछा? उसने क्या उत्तर दिया? [2]
3. मीनू के वकालत पास करने पर अमित की माँ को विशेष खुशी क्यों हो रही थी? क्या उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया था? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिये। [3]
4. मीनू के हृदय में बचपन से ही किसके प्रति दया की भावना थी? वह उनकी किस प्रकार सहायता करने का निश्चय कर रही है? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अमित का नाम सुनते ही दरवाजे की ओर पीठ किए बैठी मीनू ने मुड़कर देखा तो वह आश्चर्यचकित रह गई। मीनू जब भी अमित को देखती, उसके मन में अजीब सी घृणा उत्पन्न हो जाती। अमित व उसके सभी मित्र वहाँ आ चुके थे परन्तु मीनू अभी भी सोच में डूबी हुई थी।

1. मीनू इस समय कहाँ थी? वहाँ अमित से उसकी कैसे मुलाकात हो गई?[2]
2. मीनू और अमित के बीच क्या सम्बन्ध था? वह उससे घृणा क्यों करती थी? [2]
3. उसे वहाँ किस सच्चाई का पता चला? उन बातों का उसपर क्या प्रभाव पड़ा? [3]
4. "मीनू परिस्थितियों से हार मानने वाली कोई साधारण नारी नहीं थी" - स्पष्ट कीजिए कि उसने अपने जीवन को कैसे नई दिशा दी? [3]

एकांकी संचय

(Ekanki Sanchay)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"दहेज़ देना तो दूर, बारात की खातिर भी ठीक से नहीं की गई। मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान में जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती है तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजे।"

[बहू की विदा - विनोद रस्तोगी]

[Bahu Ki Vida – Vinod Rastogi]

1. प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा? संदर्भ सहित उत्तर लिखिए। [2]
2. 'मरहम' का क्या अर्थ है? यहाँ मरहम से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।[2]
3. वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। [3]
4. प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है? उस समस्या को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं? अपने विचार दीजिए। [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ' - यह हमारे जीवन का मूलमंत्र है। जो तीर तरकश से निकलकर कमान से छूट गया, उसे बीच में लौटाया नहीं जा सकता। मेरी प्रतिज्ञा कठिनाई से पूरी होगी, यह मैं जानता हूँ और इस बात की हाल के युद्ध में पुष्टि भी हो चुकी है कि हाड़ा जाति वीरता में हम लोगों से किसी प्रकार हीन नहीं है।"

[मातृभूमि का मान - हरिकृष्ण 'प्रेमी']

[Matri Bhoomi Ka Man – Hari Krishna 'Premi']

1. उपरोक्त कथन के वक्ता और श्रोता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
2. वक्ता ने क्या प्रतिज्ञा ली थी? कारण सहित लिखिए। [2]
3. हाड़ा वंश के राजा कौन थे? हाड़ा लोगों की क्या विशेषताएँ थीं? उनपर प्रकाश डालिए। [3]
4. 'प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ' - इस कहावत का क्या अर्थ है? एकांकी के सन्दर्भ प्रकाश डालिए। [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मेरी आकाँक्षा है कि डालियाँ साथ-साथ फलें-फूलें, जीवन की सुखद, शीतल वायु के स्पर्श से झूमें और सरसराएँ। विटप से अलग होने वाली डाली की कल्पना ही मुझे सिहरा देती है।"

[सूखी डाली – उपेन्द्र नाथ 'अश्क']

[Sookhi Dali – Upendra Nath 'Ashk']

1. उपर्युक्त कथन कौन, किससे किस संदर्भ में कह रहा है? [2]
2. सब डालियाँ साथ-साथ फलने-फूलने से क्या आशय है? 'डालियाँ' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? [2]
3. किसकी आकांक्षा है कि सब खुशहाल रहें और क्यों? इस एकांकी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]
4. प्रस्तुत कथन से वक्ता की किस चारित्रिक विशेषता का पता चलता है? अपने विचार भी प्रस्तुत कीजिये। [3]